



OM INFRA LIMITED

(Formerly known as OM METALS INFRAPROJECTS LIMITED)

CIN: L27203RJ1971PLC003414

Regd. Office: 2nd Floor, A-Block, Om Tower, Church Road, M.I. Road, Jaipur-302001

Tel:91-141-4046666

Website: www.ommetals.com E-Mail Id: info@ommetals.com

Date: 23rd June, 2021

To,

Corporate Service Department, Bombay Stock Exchange, Phiroze Jeejeebhoy Towers, Dalal Street, Mumbai-400001 Fax No. 022- 22723121/3027/2039/2061/2041	Listing Department, National Stock Exchange Of India Limited Exchange Plaza, C-1 Block G Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai Fax No. 022- 26598237/38 : 66418126
--	--

Sub: Newspaper Advertisement in regard to Notice for transfer of Equity Shares to IEPF

Dear Sir/Ma'am,

Please find enclosed copies of Newspaper Advertisement published in Business Standard (English edition) and Dainik Amrit India (Hindi edition) on 23rd June, 2021 titled Notice for transfer of Equity shares of the company to Investor Education and Protection Fund (IEPF) Authority.

Kindly take the aforesaid information for your records.

Thanking You.

For Om Infra Limited


Company Secretary

संक्षिप्त समाचार

फूड पाइजनिंग की शिकायत लेकर सुबह तक अस्पताल पहुंचते रहे लोग, जांच में जुटा प्रशासन; कलेक्टर बोले- होगी सख्त कार्रवाई

उदयपुर। उदयपुर में निर्जला एकादशी के मौके पर कांगणी के आटे से बने व्यंजनों का सागर करने पर अब तक 167 से अधिक लोग फूड पाइजनिंग का शिकार हो गए। सोमवार रात शहर के हाथीपोल, जगदीश चौक और घंटाघर इलाके में अचानक लोगों को पेट दर्द, उट्टी, दस्त और चक्कर आने लगे, जिसके बाद आनन-फानन में चार दीवारी इलाके में रहने वाले कई लोगों को एमबी अस्पताल ले जाया गया। जहां बड़ी संख्या में फूड पाइजनिंग से ग्रस्त मरीजों को कुछ डॉक्टर भी परेशान हो गए। वहीं मरीजों के अस्पताल पहुंचने का सिलसिला मंगलवार सुबह तक भी जारी रहा। दरअसल, निर्जला एकादशी के मौके पर उदयपुर में उपवास रखा जाता है। इस दौरान सभी सागर कर अपना उपवास खोलते हैं। इस बार शहर के चार दीवारी इलाके में कांगणी के आटे से बना सागर करने के बाद लोगों को फूड पाइजनिंग की शिकायत होने लगी। जिसके कुछ ही देर बाद बड़ी संख्या में मरीज अस्पताल पहुंचने लगे। ऐसे में अब जिला प्रशासन लापरवाही का पता लगाने में जुटा हुआ है। उदयपुर में बड़ी संख्या में लोगों में फूड पाइजनिंग की शिकायत के बाद मंगलवार को सभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट और उदयपुर कलेक्टर चेतन देवड़ा एमबी अस्पताल पहुंचे। जहां दोनों अधिकारियों ने मरीजों से मिलकर उनका हालचाल जाना। इस दौरान कलेक्टर देवड़ा ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की बात कही। उन्होंने कहा कि जहां-जहां कांगणी का आटा खाने के बाद शहरवासियों की तबीयत बिगड़ी है, वहां से सैंपलिंग की जा रही है। साथ ही शहर के अन्य जगहों से भी सैंपल लिए जा रहे हैं। जिसके बाद जांच की जाएगी कि बीमार करने वाला आटा कहाँ से सप्लाई हुआ है। उन्होंने बताया कि इस तरह की शिकायत वल्लभ नगर इलाके में भी सामने आई है। जहां खाद विभाग की टीम पहुंचकर जांच कर रही है।



कांग्रेस के लिए लहलुहान पायलट की 6 साल पुरानी फोटो का पोस्टर छपा, गहलोत को सत्ता का संघर्ष याद दिलाया

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में अब पोस्टर की एंटी हो गई है। सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट खेमे में लगातार चल रहे विवाद के बीच अब पोस्टर वॉर दिखने लगी है। पायलट समर्थकों ने जयपुर के गांधीनगर में एक बड़ा होर्डिंग लगाया है। इसमें पायलट की संघर्ष गथा को दिखाया गया है। बाकी जगहों पर भी पायलट समर्थक पोस्टर वॉर में कूदने की तैयारी कर रहे हैं। पोस्टर के जरिए समर्थक पायलट के संघर्ष को बताने का प्रयास कर रहे हैं। गांधीनगर में पायलट समर्थक विधायक वेदप्रकाश सोलंकी के आवास के बाहर एक बड़ा होर्डिंग लगाया है। इसमें लिखा है- राजस्थान ने देखा है, हम सबने देखा है। नीचे किसी नेता के नाम की जगह टीम सचिन पायलट लिखा हुआ है। इस होर्डिंग में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के तौर पर विपक्ष में रहकर सचिन पायलट के 7सदक पर पुलिस की लाठीचार्ज खाने की चार तस्वीरें लगाई गई हैं। पहली तस्वीर में पुलिस के लाठीचार्ज में पायलट को लगी चोट की तस्वीर है।

स्कूल की छुट्टियों में गांव के बच्चों के साथ बकरियां चराने गई थी, यहीं हैवान ने रेप किया और मार डाला

अजमेर। पुष्कर के पास प्राचीन बैजनाथ महादेव शिव मंदिर की पहाड़ी पर हैवानीयत का शिकार बनी 11 साल की मासूम अकेली नहीं बल्कि ग्रामीणों के साथ बकरियां चराने गई थी। वह 7वीं क्लास में पढ़ती थी। कोरोना में स्कूल बंद होने से इन दिनों घर के काम ही करती थी। कुत्तों के हमले की सूचना पर वह बकरियों को बचाने के लिए ग्रामीणों से अलग हुई और बाद में वापस नहीं लौटी। इस बीच, उसका रेप कर हत्या कर दी गई। जब देर शाम तक वह घर नहीं लौटी तो उसकी तलाश की गई और उसका शव पहाड़ी पर झाड़ियों के बीच मिला। पुलिस ने जब इस घटना के बारे में ग्रामीणों से पड़ताल की तो पता चला कि मासूम बालिका बकरियों को चराने के लिए 5-6 ग्रामीणों के साथ गई थी। दिनभर बकरियां चराई और शाम को वह अपने साथियों के साथ साथ बैठी थी। करीब 5 बजे एक सात से आठ साल के बच्चे ने बताया कि उसकी बकरियों को कुत्ता खा रहा है। इस पर वह बकरियों को बचाने के लिए ऊपर पहाड़ी की तरफ चली गई, जहां बकरियां चर रही थीं। ग्रामीणों ने बताया कि शाम हो रही थी और जब बालिका वापस नहीं लौटी तो कुछ देर तो इंतजार किया, लेकिन इसी बीच अन्य ग्रामीणों ने सोचा कि वह बकरियां लेकर घर आएगी, इसके बाद अन्य लोग घर लौट गए। जब वह शाम को नहीं लौटी तो उसकी तलाश किया गया। इस दौरान उसके चप्पल और कुल्हाड़ी के बाद शव मिल गया। ग्रामीणों को अंदेशा है कि जब वह शाम के समय बकरियों को हमले से बचाने के लिए ऊपर की तरफ गई तो इस दौरान ही वह कुछ लोगों के हथिय चढ़ गई और उसके साथ यह वारदात अंजाम दे दी गई।

हर महीने बंधी के रूप में डीजीएम तक पहुंच रही थी रिश्तत, दलाल ने भतीजे के जरिए 2 लाख वसूले

जयपुर। राजस्थान में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, कोटा जोन में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। मामले में एसीबी ने एक और सेल्स मैनेजर वंदित कुमार (34) को सोमवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। वहीं जांच में सामने आया है कि एचपीसीएल कोटा जोन में पेट्रोल पंप मालिकों से वसूली का खेल चल रहा था। जिसमें हर महीने डीजीएम तक रिश्तत पहुंचाई जा रही थी। साथ ही जांच में यह पता चला है कि दलाल किशन विजय ने अपने भतीजे कपिल विजय के मार्फत निवाइ में दीक्षा पेट्रोल पंप के मालिक प्रदीप वर्मा से दो लाख रुपए रिश्तत की रकम इकट्ठा कर ली थी। लेकिन चाचा भतीजे ने डीजीएम राजेश सिंह को दो लाख रुपए देने के बजाए एक लाख रुपए ही दिए। बाकी एक लाख रुपए दोनों दलालों ने अपने पास रख लिए। एचपीसीएल कुमार सिंह के मुताबिक मामले में अब तक एचपीसीएल के डिप्टी जनरल मैनेजर राजेश सिंह, एक सेल्स मैनेजर वंदित कुमार, दलाली कर रहे दो पेट्रोल संचालक किशन विजय व प्रदीप वर्मा के अलावा रिश्तत के लेनदेन में सहयोगी बने दो युवकों अविनाश और कपिल विजय सहित कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

वैक्सीनेशन के लिए गांव-ढाणी तक हो बेहतरीन प्रबंधन : मुख्यमंत्री

जयपुर/एजेंसी। अशोक गहलोत ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना की तीसरी लहर कब आ जाए, कोई नहीं जानता। 7से में, प्रदेशवासियों की जीवन रक्षा के लिए वैक्सीनेशन का कार्य तेज गति से पूर्ण करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन ही कोरोना महामारी से बचाव के लिए मुख्य उपाय है। हमारा प्रयास ही वैक्सीन की उपलब्धता के अनुरूप प्रदेश में गांव-ढाणी तक हर आयुवर्ग के लोगों का जल्द से जल्द वैक्सीनेशन हो। इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने 19 जून को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से वैक्सीनेशन प्रबंधन को लेकर आयोजित बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान वैक्सीनेशन के मामले में अब तक अचल रहा है और आगे भी इसी तरह बेहतरीन प्रबंधन के साथ हमें इस काम को गति देनी होगी, ताकि भविष्य में



तीसरी लहर के संक्रमण के खतरे का असर कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस कार्य में सांसद एवं विधायक से लेकर पंच-सरपंच स्तर तक सभी जनप्रतिनिधियों को सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में विशेष शिविरों के माध्यम से ऑनस्पॉट

रजिस्ट्रेशन कर लोगों का वैक्सीनेशन किया जाए। इन शिविरों में टेन्ट, पेयजल और बैठने के लिए समुचित व्यवस्थाएं की जाएं। साथ ही, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि किसी भी वैक्सीनेशन साइट पर भीड़-भाड़ और कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं हो। वैक्सीनेशन शिविरों के प्रबंधन में स्थानीय सरपंच, पंच, बीएलओ, ग्राम सेवक एवं पटवारी आदि का सहयोग लिया जाए। शहरी क्षेत्रों में स्थानीय निकायों, औद्योगिक संगठनों एवं अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से विशेष शिविर आयोजित किए जाएं। गहलोत ने कहा कि वैक्सीनेशन के दौरान आयोजित किए जाने वाले शिविरों के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही, लोगों को वैक्सीनेशन की जगह एवं दिन के संबंध में समय पर जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक 2 करोड़ 7 लाख से अधिक लोगों को वैक्सीन की डोज लग चुकी है और वैक्सीन वेस्टेज एक प्रतिशत से भी कम रहा है। यह वैक्सीनेशन में राजस्थान के उत्कृष्ट प्रबंधन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राज्य में चलाए गए व्यापक जागरूकता अभियान के कारण लोगों में वैक्सीन को लेकर भ्रांतियां दूर हुई हैं।

मंत्रि डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि प्रदेशभर में वैक्सीनेशन को लेकर चिकित्सा विभाग की ओर से समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। हमारा प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी अधिक से अधिक लोगों का जल्द से जल्द टीकाकरण किया जाए। चिकित्सा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि वैक्सीनेशन शिविरों में व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि लोगों को इसके संबंध में सूचना समय पर मिले और इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन की सक्रिय भागीदारी रहे। मुख्य सचिव श्री निरंजन आर्य ने कहा कि अधिक जनसंख्या वाले गांवों में वैक्सीनेशन शिविर के लिए बार्ड संख्या के आधार पर व्यवस्था की जा सकती है। इसमें सरपंच तथा ग्राम सेवक के साथ-साथ बार्ड पंचों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्री सिद्धार्थ महाजन ने वैक्सीनेशन शिविरों को लेकर कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए ऑनलाइन बुकिंग की आवश्यकता नहीं होगी तथा शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन ऑनसाइट रजिस्ट्रेशन के माध्यम से किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में अधिक से अधिक वर्कसाइट वैक्सीनेशन किया जाएगा। मामलात मंत्री ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए कार्यक्रमों का अधिकधिक प्रचार-प्रसार करें ताकि आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। क्षेत्र के विकास के लिए योजनाएं बनाते हुए इस बात पर ध्यान दें कि पेयजल, सड़क, बिजली आदि।

सेटरेडे गवर्नन्स के तहत विधिक मापविज्ञान विभाग ने धर्मकाठों पर की कार्यवाही

अलवर/एजेंसी। उपभोक्ताओं के हित को सुनिश्चित करने की राज्य सरकार की मंशा व मुख्य सचिव श्री निरंजन आर्य के निर्देश पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा पूरे राज्य में 'सेटरेडे गवर्नन्स' के तहत विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रत्येक शनिवार को औचक निरीक्षण किया जा रहा है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के शासन सचिव श्री नवीन जैन ने बताया कि माइनिंग व एफसीआई के गोदामों के बाहर स्थित धर्मकाठों की निरंतर मिल रही शिकायतों पर विधिक माप विज्ञान विभाग के अधिकारियों ने एक ही दिन में 112 धर्मकाठों का औचक निरीक्षण किया। श्री जैन ने बताया कि निरीक्षण में 53 धर्मकाठों पर तौल संबंधी और तौल के सत्यापन संबंधी अनियमितताएं पाई गईं। ज्यादातर अनियमितताएं नियम बाध्याता संबंधी पाई गईं, जिन पर विभाग द्वारा उचित कार्यवाही की गई। जिन धर्मकाठों पर गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, उन्हें अधिकारियों द्वारा जब्त किया गया। शासन सचिव ने धर्मकाठों पर उपलब्ध तौल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि धर्मकाठों पर उचित तौल के लिये एक टन का मानकीकृत तौल उपलब्ध होता है। उपयोग कर सही तौल जाना जा सकता है। 15 साल की पोलो का पेट बड़ा देख दादी को संदेह हुआ था तो उन्होंने जांच कराई तो वह गर्भवती निकली।



कार्यवाही की गई। जिन धर्मकाठों पर गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, उन्हें अधिकारियों द्वारा जब्त किया गया। शासन सचिव ने धर्मकाठों पर उपलब्ध तौल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि धर्मकाठों पर उचित तौल के लिये एक टन का मानकीकृत तौल उपलब्ध होता है। उपयोग कर सही तौल जाना जा सकता है। 15 साल की पोलो का पेट बड़ा देख दादी को संदेह हुआ था तो उन्होंने जांच कराई तो वह गर्भवती निकली।

अभी मंत्रिमंडल विस्तार का उचित समय नहीं, सभी विधायक तीसरी लहर से लड़ने की तैयारी में सीएम का सहयोग करें

जयपुर/एजेंसी। मंत्रिमंडल विस्तार और जल्द राजनीतिक नियुक्तियों के मुद्दे पर अब गहलोत समर्थक निर्दलीय विधायकों की राय अलग होने लगी है। दौसा के महबूबा से गहलोत समर्थक निर्दलीय विधायक ओमप्रकाश हुड्डला ने कोरोना की मौजूदा हालात और तीसरी लहर की आशंका ?का हवाला देते हुए मंत्रिमंडल विस्तार को टालने की बात कही है। हुड्डला के इस बयान के गहरे सियासी मायने हैं। ओमप्रकाश हुड्डला ने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार की बार-बार चर्चाएं होती हैं, मंत्रिमंडल विस्तार का यह उचित समय नहीं है। अभी तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना की 2तीसरी लहर की आशंका जताई है। अभी तो सभी विधायकों और सांसदों को तीसरी लहर का सामने करने के लिए मुख्यमंत्री का सहयोग करना



चाहिए। ओमप्रकाश हुड्डला के बयान को गहलोत कैंप की रणनीति के तहत दिया गया बयान के दबाव में काम करने का मैसेज नहीं जाए। ओमप्रकाश हुड्डला बीजेपी से राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा के कट्टर विरोधी हैं। हुड्डला का हाल ही शराब कारोबारियों से भी विवाद हुआ था। इसके बाद उनके होटल

पर तोड़फोड़ हुई थी। सरकार ने हाल ही हुड्डला को वायु श्रेणी की सुरक्षा दी है। ओमप्रकाश हुड्डला 2013 में किरोड़ीलाल मीणा की पत्नी गोपला देवी को हराकर बीजेपी की टिकट पर चुनाव जीते थे। बीजेपी राज में वसुंधरा राजे ने उन्हें संसदीय सचिव बनाया। बीजेपी में रहते वक्त वसुंधरा राजे खेमे में रहे थे। 2018 के चुनाव में बीजेपी से टिकट नहीं मिला तो बागी होकर निर्दलीय लड़े और जीते। सत्ता बदलते ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ आ गए। पिछले साल जब सचिन पायलट ने बगावत की तो निर्दलीय खुशवीर जोजावर और सुरेश टाक के साथ हुड्डला भी उनके कैंप में चले गए। हुड्डला कुछ दिन ही पायलट कैंप में आ गए, तब से फिलहाल गहलोत कैंप में ही हैं।

योग की तरह आमजन को पर्यावरण से जोड़ने में सहायक होगी घर-घर औषधि योजना

जयपुर/एजेंसी।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के प्रोफेसर डॉ. राकेश बटबय्याल ने कहा है कि गांधीजी और पर्यावरण के संदर्भ में घर-घर औषधि योजना महत्वपूर्ण साबित होगी। यह योजना योग की तरह लोगों को पर्यावरण से जोड़ने में सहायक होगी। वे सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गांधी-150 कार्यक्रम के तत्वावरण में गांधी पर्यावरण एवं स्वास्थ्य-एक समग्र सोच विषय पर आयोजित वेबिनार में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। वेबिनार में गांधीजी द्वारा लिखी पुस्तक आरोग्य की कुंजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें सामान्य भाषा में मानव स्वास्थ्य को समझाया गया था। वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री सुखराम बिस्नोई ने वेबिनार में



कहा कि यह योजना भारतीय चिकित्सा पद्धति की उस परम्परा से प्रेरित है, जिसमें आयुर्वेद के जरिए शरीर को स्वस्थ रखा जाता है। प्रमुख शासन सचिव श्रीमती श्रेया गुहा और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) श्रीमती श्रुति शर्मा ने योग के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी से 100 प्रतिशत योगदान देने का आह्वान किया। सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रोफेसर डॉ. अभिमन्यु कुमार, महाराष्ट्र के अन्ना साहब डोंगे मेडिकल कॉलेज

आस्था सांगली के प्रधानाचार्य एवं निदेशक प्रोफेसर-डॉ. सत्येंद्र नारायण ओझा, कला एवं संस्कृति विभाग, जयपुर की शांति और अहिंसा प्रकाश की सलाहकार समिति के समन्वयक श्री मनीष शर्मा और कार्यक्रम समन्वयक प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) डॉ. दीप नारायण पाण्डेय ने भी अपने विचार रखे। वेबिनार में एपीसीसीएफ, सीसीएफ, डीसीएफ, महिला अधिकारिता एवं बाल विकास, आयुर्वेद सहित अन्य विभागों के प्रतिनिधि भी जुड़े रहे।

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र माउंट आबू पहुंचे जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने की अगवानी



जयपुर/एजेंसी। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र मंगलवार को ग्रीष्मकालीन प्रवास के लिए माउंट आबू पहुंचे। यहां वह एक सप्ताह राजभवन में प्रवास करेंगे। माउंट आबू पहुंचने पर राज्यपाल का जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाव भरा स्वागत करते हुए अगवानी की। राज्यपाल श्री मिश्र दोपहर विमान से आबूरोड हवाई पट्टी पर पहुंचे। यहां पर विधायक सिराही श्री संयम लोढ़ा, विधायक पिंडवाड़ा-आबू श्री समाराम गरारिसिया, रेवदर

विधायक श्री जगसीराम कोली, अध्यक्ष नगरपालिका आबू रोड श्री मंगनदान चारण, जोधपुर के

सभागीय आयुक्त डॉ. राजेश शर्मा, पुलिस आयुक्त श्री जोस मोहन, सिराही के जिला कलेक्टर श्री भगवती प्रसाद, पुलिस अधीक्षक श्री धीमेन्द्र सिंह ने उनकी अगवानी की। राज्यपाल ने बाद में अधिकारियों से औपचारिक बातचीत में कोरोना की स्थिति और बचाव के लिए किये जा रहे उपायों के बारे में भी जानकारी ली।

विभाग पीपीपी परियोजनाओं की रूपरेखा 31 जुलाई तक करें तैयार: मुख्य सचिव

बौदास/चुरू। मुख्य सचिव श्री निरंजन आर्य ने सभी विभागों से कहा कि वे नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन योजना के तहत उपयुक्त सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) परियोजनाओं की रूपरेखा शीघ्र तैयार करें। उन्होंने कहा कि अपशिष्ट जल शोधन, जलापूर्ति, ठोस कचरा प्रबंधन, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में परियोजनाओं के निर्माण की प्रबल संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ बनाने के लिए संबंधित विभाग शीघ्र योजनाएं बनाएं। मुख्य सचिव ने विभागों को 31 जुलाई तक परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करने के लिए कहा। उन्होंने अधिकारियों को विभागों में प्रोजेक्ट डवलपमेंट सैल की स्थापना शीघ्र करने के निर्देश भी दिये। मुख्य सचिव सोमवार को केंद्र



को नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइप लाइन (एनआईपी) योजना के तहत विभागों द्वारा तैयार की जाने वाली परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने विभागों द्वारा तैयार किये जा रहे पीपीपी प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि अन्य विभाग भी प्रत्येक वर्ष के लिए शैल्यू ऑफ प्रोजेक्ट्स तैयार करें। उन्होंने कहा कि विभाग वायबिलिटी गैप फंडिंग सपोर्ट की आवश्यकता वाली

उपयुक्त परियोजनाओं की रूपरेखा भी केन्द्र सरकार को शीघ्र भिजवाएं। श्री आर्य ने कहा कि सभी विभाग प्रोजेक्ट डवलपमेंट सैल की स्थापना और उसका सुदृढ़िकरण सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने बताया कि नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन की उपयोग-1 के तहत राश्यों की सामाजिक क्षेत्र की परियोजनाएं जैसे जल, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट, सोलिड वेस्ट,

स्वास्थ्य तथा शिक्षा आदि परियोजनाओं को मंजूरी दी जाती है, जिनमें परिचालन लागत को शत प्रतिशत वसूली हो। इन योजनाओं में 30 प्रतिशत तक पूंजीगत व्यय केन्द्र सरकार द्वारा, 35 प्रतिशत तक राज्य सरकार द्वारा दिया जा सकता है। उप योजना -2 के तहत स्वास्थ्य तथा शिक्षा की परियोजनाओं में कम से कम 50 प्रतिशत तक की परिचालन वसूली होनी चाहिये। इसमें कुल पूंजी लागत का 40 प्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा वायबल गैप फंडिंग सपोर्ट के रूप में तथा राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 40 प्रतिशत तक की फंडिंग की जा सकती है। आयोजना विभाग के शासन सचिव श्री नवीन जैन ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न विभागों में पीपीपी प्रोजेक्ट्स की प्रगति के बारे में जानकारी दी।

OM INFRA LIMITED
(Formerly known as OM METALS INFRAPROJECTS LIMITED)
CIN : L27203RJ1971PLC003414
Regd. Office: 2nd Floor, A-Block, Om Tower, Church Road, Jaipur-302001
Tel:-91-141-4046666 Website: www.ommetals.com E-Mail: Info@ommetals.com

सूचना

(कम्पनी के समस्त अंशधारकों को सूचित करने हेतु)

विषय : कम्पनी के समता अंशों का निवेशन शिक्षा एवं सुरक्षा निधि (IEPF) सन्देशी खाते में हस्तांतरण

एतद्वारा अंशधारकों को सूचित किया जाता है कि निवेशन शिक्षा एवं सुरक्षा निधि प्राधिकरण (लेखाकन, अंशेक्षण, हस्तांतरण व प्रतिपद्य), नियम 2016 ("नियम") के प्रावधानों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2013-14 की अवधि में घोषित अंतिम लाभांश, जो सात वर्ष की अवधि से दायर रहित है, 29 अक्टूबर, 2021 को IEPF के खाते में जमा किया जाएगा। संबंधित समता अंश जिनका लाभांश सात निरंतर वर्षों से दायर रहित है, उनको भी नियमों में निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार इसमें हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

नियमों के अनुपालन में, कम्पनी द्वारा संबंधित अंशधारकों को व्यक्तिगत रूप से सूचित कर दिया गया है एवं IEPF में हस्तांतरण योग्य ऐसे समता अंशों का विवरण हस्तगत हस्तांतरण पर भी उपलब्ध है। संबंधित अंशधारक अपने मुताबिक तैयार अंश एवं हस्तांतरण योग्य समता अंशों का विवरण वेबसाइट www.ommetals.com पर सत्यापित कर सकते हैं।

अंशधारकों से अनुरोध है कि वित्तीय वर्ष 2013-14 एवं पश्चात की अवधि के घोषित अंतिम लाभांश का दायर इस्तेमाल IEPF में हस्तांतरण से पूर्व करें। संबंधित अंशधारक जो समता अंश भीतिक रूप से रखते हैं तथा जिनके समता अंश IEPF में हस्तांतरण योग्य हैं, वे नोट करें कि कम्पनी द्वारा IEPF में समता अंशों के हस्तांतरण हेतु उनके मूल के बदले में डुन्डीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी किये जायेंगे व ऐसे मामले में, कम्पनी द्वारा कोर्पोरेट एक्शन द्वारा डिपॉजिटरी को डुन्डीकेट शेयर सर्टिफिकेट को DEMAT में बदलने तथा IEPF के पक्ष में हस्तांतरण हेतु सूचित किया जाएगा। मूल शेयर सर्टिफिकेट जो मूल अंशधारकों के नाम से पंजीकृत है, वे स्वतः ही निरस्त माने जायेंगे तथा अपरन्वयन माने जायेंगे। संबंधित अंशधारक जो DEMAT प्राक्य में अंशधारक रहते हैं, नोट करें कि कम्पनी द्वारा कोर्पोरेट एक्शन के माध्यम से डिपॉजिटरी को समता अंशों को IEPF के DEMAT खाते के पक्ष में हस्तांतरण हेतु सूचित किया जाएगा।

अंशधारक अपने नोट करें कि कम्पनी द्वारा इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया विवरण IEPF में समता अंशों के हस्तांतरण के उद्देश्य से कम्पनी द्वारा डुन्डीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करने के संबंध में समुचित सूचना समझा जावे।

यदि कम्पनी से संबंधित समता अंशधारकों द्वारा 31 अगस्त, 2021 या पूर्व तक कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है तो नियमों की पालना का विवरण हस्तांतरण पर भी उपलब्ध है।

संबंधित शेयरर्स जिनका लाभांश सात निरंतर वर्षों से दायर रहित है, को भी बिना किसी अन्य सूचना के हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

कृपया नोट करें कि दायररहित लाभांश राशि एवं IEPF में हस्तांतरित शेयरर्स के मामले में किसी दाये पर विचार नहीं किया जाएगा। अंशधारक IEPF में हस्तांतरित लाभांश एवं शेयरर्स, ऐसे शेयरर्स पर लागू सभी लाभांश सहित, यदि हो, का दायर IEPF प्राधिकारियों से, नियमों में निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार कर सकते हैं।

उपर्युक्त मामले में किसी भी जानकारी के लिए, अंशधारकों से अनुरोध है कि कम्पनी के पंजीयन एवं शेयर हस्तांतरण एजेंट, एम. स्कॉर्डलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, डी-153 ए, प्रथम मंजिल, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, नई दिल्ली-110020 फोन: 011-64732681, 26812682 ई-मेल admin@skylinertea.com पर संपर्क करें।

राजेश जैन
कम्पनी सचिव

दिनांक : 22 जून, 2021
स्थान : जयपुर